सीसीआरटी में अनुवाद पर कार्यशाला

अनुवाद के सौंदर्य को समझते हुए

सीसीआटी द्वारा अपने कार्यालय स्टाफ़ के लिए दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजन के तहत दूसरे दिन 30 मई 2019 को 'अंग्रेजी से हिन्दी का कार्यालयीन अनुवाद' विषय पर कार्यशाला रखी गयी। इसके मुख्य वक्ता थे, डॉ॰ जितेंद्र कालरा। डॉ॰ कालरा ने भाषा के सौंदर्य के बखान करने के साथ-साथ अनुवाद के सूत्रों को सहजता से समझाया। उन्होंने उदाहरण सहित अनुवाद को शाब्दिक रूपांतरण की प्रक्रिया से आगे बढ़कर संस्कृति व प्रतीकों के अंतरण का रूप बताया। डॉ॰ चेतन सिंह] उपनिदेशक ने डॉ॰ कालरा का परिचय दिया तथा कार्यशाला के लिए शुभकामनाएँ दीं। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ॰ रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, उपनिदेशक ने कहा कि अनुवाद शब्दों व अर्थों के विराम को भी ध्वनित करते हैं तथा अनुवाद सामाजिक-सांस्कृतिक गतिकी है। वह एक भाषा के मिज़ाज को दूसरी भाषा में पहुँचाने का सौंदर्यमय उद्यम है। श्री रतीराम, सलाहकार, हिंदी एवं श्रीमती नीलम भाटिया, हिंदी अनुवादक, के प्रयासों से यह कार्यशाला आयोजित हुई।